

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह-2026 में संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार वितरित किए

हथकरघा उत्पादों को वैश्विक बाजारों से जोड़ें: योगी

आह्वान

लखनऊ, विशेष संवाददाता। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारीगरों व बुनकरों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने हथकरघा उत्पादों को डिजाइन, तकनीक, पैकेजिंग व मार्केटिंग के जरिये वैश्विक बाजार से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी विभागों में हथकरघा उत्पादों की खरीद बढ़ाने और स्थानीय उत्पादों को उपहार में देने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को लोकभवन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह-2026 के अवसर पर संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर विशिष्ट फ़ालों के लिए बुनकरों को सम्मानित किया और विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को चेक भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी में लगे विभिन्न उत्पादों की सराहना की। इस दौरान हथकरघा उत्पादों के प्रमुख क्रेताओं के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। सीएम ने कहा कि वन



सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शुक्रवार को लोकभवन में हथकरघा उद्योग को लेकर पांच एमओयू भी हुए।

हथकरघा उद्योग के लिए सुनहरा अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में हम तभी टिक पाएंगे, जब समय व मांग के अनुरूप डिजाइन व वस्त्र तैयार करेंगे। लखनऊ, गोरखपुर, बाराबंकी, अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर, गोरखपुर, मऊ, आजमगढ़, वाराणसी, भदोही, मिर्जापुर अपने हस्तशिल्प के लिए जाने जाते हैं।

डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के माध्यम से ब्रांडिंग हुई तो मार्केट भी उपलब्ध हुआ। डबल इंजन की सरकार ने इसको टेक्नोलॉजी, डिजाइन और पैकेजिंग के

देश की नई संसद में लगी भदोही की कालीन

मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही में कालीन का वलस्तर 2017 के पहले मुत्ताय सा हो गया था लेकिन, आज वहां से दुनिया के बाजारों में सैकड़ों करोड़ रुपये का कालीन एक्सपोर्ट किया जा रहा है। देश की नई संसद में भी भदोही की कालीन लगी थी। भदोही में कालीन का एक्सपोर्ट सेंटर भी बनाया है। वाराणसी में ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर बनाया जा चुका है।

साथ जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने विभाग को निर्देश दिया कि हस्तशिल्पियों और कारीगरों द्वारा तैयार उत्पादों को टेक्नोलॉजी व डिमांड के अनुसार

क्षेत्र में 70 प्रतिशत महिलाएं कार्यरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 और 2017 के पहले भी विकास के ऐसे काम हो सकते थे, लेकिन इसके लिए पिछली सरकारों के पास विजन नहीं था। ऐसे में कारीगरों का सम्मान पिछड़ जाता था। 2017 से पहले बिजली और आवागमन के लिए अच्छी सड़कें तक नहीं थीं। आज हथकरघा के क्षेत्र में 70 फीसदी से अधिक महिलाएं कार्य कर रही हैं।

मार्केट से जोड़ें। मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील की कि वे स्थानीय कारीगरों व हस्तशिल्पियों द्वारा तैयार उत्पादों को गिफ्ट के रूप में दें।

सीएम ने 61 हस्तशिल्पियों कारीगरों का सम्मान किया

लखनऊ। विशेष संवाददाता। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 61 हस्तशिल्पियों, बुनकरों तथा कारीगरों को विभिन्न श्रेणियों में संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार से सम्मानित किया। संतकबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजना के तहत साड़ी, ब्रकेड श्रेणी में वाराणसी के जमालुद्दीन, अनिकेत कुमार मौर्य, आजमगढ़ के अकमल, सूती दरी, ऊनी दरी श्रेणी में सीतापुर के अकील अहमद, कानपुर नगर के शारिक अंसारि, बरेली के मुन्ने अली, बेडशोट, बेड कवर एवं होम फर्निशिंग श्रेणी में बिजनौर के कफील अहमद, बाराबंकी की आयशा बानो, गोरखपुर के रेहान वसीम को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार के नवाजा गया। झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना के तहत मऊ के सुरेंद्र कुमार, इटावा की सोनी,

13 परिक्षेत्र के 39 बुनकर सम्मानित

प्रदेश के 13 मंडलों के 39 बुनकरों को परिक्षेत्र स्तरीय पुरस्कार दिया गया। इसके तहत 20, 15 तथा 10 हजार रुपये के चेक दिए गए। अयोध्या परिक्षेत्र में सुल्तानपुर के रामचंद्र गौर्य, यही की मजू, अंबेडकर नगर के शाहनवाज, लखनऊ परिक्षेत्र में बाराबंकी की आयशा बानो, सीतापुर के अकील अहमद, हरदोई की इकरा बानो, मऊ क्षेत्र में आजमगढ़ के अकमल, मऊ के मोइनुद्दीन, गाजीपुर के मिनहाज अहमद, मेरठ क्षेत्र में मेरठ के मनोज गुप्ता, बागपत के इस्लामुद्दीन, प्रमोद कुमार सम्मानित किए गए।

झांसी की गौरा बाई को 93-93 हजार का चेक दिया गया। इस समारोह में हथकरघा उद्योग से संबंधित पांच एमओयू भी किए गए।